



सूर्य भगवान की आरती

जय जय जय रविदेव, जय जय जय रविदेव।
राजनीति मदहारी शतदल जीवन दाता ॥

षटपद मन मुदकारी हे दिनमणि ताता।
जग के हे रविदेव, जय जय जय रविदेव ॥

नभमंडल के वासी ज्योति प्रकाशक देवा।
निज जनहित सुखसारी तेरी हम सब सेवा॥

करते हैं रविदेव, जय जय जय रविदेव।
कनक बदनमन मोहित रुचिर प्रभा प्यारी॥

हे सुरवर रविदेव, जय जय जय रविदेव ॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य आरतिया पढ़ें

- [गणेश जी](#)
- [रविदास जी](#)
- [हनुमान जी](#)
- [महावीर भगवान](#)
- [शनि देव](#)
- [शारदा माता](#)
- [अम्बे तू है जगदम्बे](#)
- [भैरव आरती](#)
- [ओम जय जगदीश हरे](#)
- [राधा जी](#)
- [साईं बाबा](#)
- [पितर](#)
- [बालाजी](#)
- [पार्वती जी](#)
- [बाबा रामदेव जी](#)
- [आरती कुंजबिहारी](#)

- [जय शिव ओंकारा](#)
- [अन्नपूर्णा माता](#)
- [महालक्ष्मी जी](#)
- [ब्रह्मा जी](#)
- [तुलसी माता](#)
- [शाकंभरी माता](#)
- [गंगा मैया](#)
- [प्रेतराज सरकार](#)
- [सूर्य भगवान](#)
- [परशुराम जी](#)
- [नर्मदा जी](#)
- [बटुक भैरव](#)
- [कृष्ण आरती](#)
- [श्री विंध्येश्वरी](#)
- [विश्वकर्मा जी](#)
- [बाबा गंगाराम जी](#)
- [शीतला माता](#)
- [बगलामुरवी आरती](#)
- [जाहरवीर बाबा](#)
- [आरती ललिता जी की](#)

- गुरु गोरखनाथ
- रघुवर लला
- लड्डू गोपाल
- गीता जी
- बद्रीनाथ
- श्री रामायण जी
- सरस्वती माता
- गौ माता

हिन्दीपथ.कॉम